मां दुर्गा के सिद्ध मंत्र और मनोकामना पूर्ण करने वाले जप-मंत्र

ॐ क्रीं कालिकायै नमः

ॐ ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चे

ॐ दुं दुर्गायै नमः

ॐ ह्रीं क्लीं सर्वपूज्ये देवि मंगलचण्डिके हुँ हुँ फट् स्वाहा।

माँ दुर्गा का आवाहन मंत्र

सर्व मंगल मांगल्ये शिवे सर्वार्थ साधिके, शरण्ये त्र्यंबके गौरी नारायणी नमोस्तुते ।

ॐ श्रीमहाकाली स्तुति मंत्र

काली काली महाकाली, कालिके परमेश्वरी । सर्वानन्द करे देवि, नारायणि नमोऽस्तुते

श्री शीतला माता की स्तुति मंत्र

शीतले त्वं जगन्माता, शीतले त्वं जगत्-पिता । शीतले त्वं जगद्धात्री, शीतलायै नमो नमः ।

सर्पों के भय से मुक्ति दिलाने वाला मंत्र

ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ऐं मनसादेव्यै स्वाहा ।

भक्ति और मुक्ति प्रदान करने वाला मंत्र

ॐ ह्रीं भुवनेश्वर्यै नमः

दुर्गा मनोकामना सिद्ध मंत्र

नीचे कुछ चुने हुये सप्तशती के सम्पुट मन्त्र दे रहे हैं । इनका सम्पुट देकर विधि- पूर्वक पाठ करने से विभिन्न कामनाओं की सिद्धि होती है।

विपत्ति नाश के लिये

सरणागत दीनार्त परित्राणपरायणे ! सर्वस्याति हरे देवि ! नारायणि ! नमोऽस्तु ते ॥

विपत्तिनाश और शुभ की प्राप्ति के लिये

करोतु सा नः शुभहेतुरीश्वरी । शुभानि भद्राण्यभिहन्तु चापदः ।।

भयनाश के लिये

सर्वस्वरूपे सर्वेशे सर्वशक्तिसमन्विते । भयेभ्यस्त्राहि नो देवि दुर्गे देवि नमोऽस्तु ते ।

पाप नाश के लिए

हिनस्ति दैत्यतेजांसि स्वनेनापूर्य या जगत् । सा घण्टा पातु नो देवि पापेभ्योऽनः सुतानिव ।

रोग और महामारी नाश के लिये

रोगानशेषानपहंसि तुष्टा । रुष्टा तु कामान् सकलानभीष्टान् ।। त्वामाश्रिताना न विपन्न राणाम् । त्वामाश्रिताह्याश्रयतां प्रयान्ति ॥

आरोग्य और सौभाग्य की प्राप्ति के लिये

देहि सौभाग्यमारोग्यं देहि मे परमं सुखम् । रूपं देहि जयं देहि यशो देहि द्विषो जहि ॥

माँ दुर्गा के 64 योगिनी मंत्र

यह दुर्गा माँ की जो चौसठ योगिनीयाँ होती हैं ये उनके शक्तिशाली सिद्ध मंत्र हैं। इनके श्रवण मात्र से भूत , प्रेत , पिशाच और जितनी भी बुरी और नकारात्मक शक्तियां होती हैं जब दूर भाग जाती हैं और सुख शांति और वैभव की प्राप्ति होती है।

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं श्री काली नित्य सिद्धमाता स्वाहा ।

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं श्री कपलिनी नागलक्ष्मी स्वाहा ।

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं श्री कुला देवी स्वर्णदेहा स्वाहा ।

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं श्री कुरुकुल्ला रसनाथा स्वाहा ।

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं श्री विरोधिनी विलासिनी स्वाहा ।

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं श्री विप्रचित्ता रक्तप्रिया स्वाहा ।

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं श्री उग्र रक्त भोग रूपा स्वाहा ।

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं श्री उग्रप्रभा शुक्रनाथा स्वाहा ।

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं श्री दीपा मुक्तिः रक्ता देहा स्वाहा ।

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं श्री नीला भुक्ति रक्त स्पर्शा स्वाहा ।

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं श्री घना महा जगदम्बा स्वाहा ।

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं श्री मातृ देवी आत्मविद्या स्वाहा ।

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं श्री मुद्रा पूर्णा रजतकृपा स्वाहा ।

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं श्री मिता तंत्र कौला दीक्षा स्वाहा ।

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं श्री महाकाली सिद्धेश्वरी स्वाहा ।

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं श्री कामेश्वरी सर्वशक्ति स्वाहा ।

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं श्री भगमालिनी तारिणी स्वाहा ।

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं श्री नित्यकलींना तंत्रार्पिता स्वाहा ।

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं श्री भैरुण्ड तत्त्व उत्तमा स्वाहा ।

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं श्री वह्निवासिनी शासिनि स्वाहा ।

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं श्री महवज्रेश्वरी रक्त देवी स्वाहा ।

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं श्री शिवदूती आदि शक्ति स्वाहा ।

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं श्री त्वरिता ऊर्ध्वरेतादा स्वाहा ।

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं श्री कुलसुंदरी कामिनी स्वाहा ।

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं श्री नीलपताका सिद्धिदा स्वाहा ।

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं श्री नित्य जनन स्वरूपिणी स्वाहा ।

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं श्री विजया देवी वसुदा स्वाहा ।

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं श्री सर्वमङ्गला तन्त्रदा स्वाहा ।

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं श्री ज्वालामालिनी नागिनी स्वाहा ।

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं श्री चित्रा देवी रक्तपुजा स्वाहा ।

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं श्री ललिता कन्या शुक्रदा स्वाहा ।

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं श्री डाकिनी मदसालिनी स्वाहा ।

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं श्री राकिनी पापराशिनी स्वाहा ।

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं श्री लाकिनी सर्वतन्त्रेसी स्वाहा ।

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं श्री काकिनी नागनार्तिकी स्वाहा ।

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं श्री शाकिनी मित्ररूपिणी स्वाहा ।

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं श्री हाकिनी मनोहारिणी स्वाहा ।

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं श्री तारा योग रक्ता पूर्णा स्वाहा ।

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं श्री षोडशी लतिका देवी स्वाहा ।

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं श्री भुवनेश्वरी मंत्रिणी स्वाहा ।

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं श्री छिन्नमस्ता योनिवेगा स्वाहा ।

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं श्री भैरवी सत्य सुकरिणी स्वाहा ।

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं श्री धूमावती कुण्डलिनी स्वाहा ।

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं श्री बगलामुखी गुरु मूर्ति स्वाहा ।

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं श्री मातंगी कांटा युवती स्वाहा ।

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं श्री कमला शुक्ल संस्थिता स्वाहा ।

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं श्री प्रकृति ब्रह्मेन्द्री देवी स्वाहा ।

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं श्री गायत्री नित्यचित्रिणी स्वाहा ।

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं श्री मोहिनी माता योगिनी स्वाहा ।

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं श्री सरस्वती स्वर्गदेवी स्वाहा ।

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं श्री अन्नपूर्णी शिवसंगी स्वाहा ।

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं श्री नारसिंही वामदेवी स्वाहा ।

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं श्री गंगा योनि स्वरूपिणी स्वाहा ।

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं श्री अपराजिता समाप्तिदा स्वाहा ।

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं श्री चामुंडा परि अंगनाथा स्वाहा ।

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं श्री वाराही सत्येकाकिनी स्वाहा ।

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं श्री कौमारी क्रिया शक्तिनि स्वाहा ।

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं श्री इन्द्राणी मुक्ति नियन्त्रिणी स्वाहा ।

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं श्री ब्रह्माणी आनन्दा मूर्ती स्वाहा ।

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं श्री वैष्णवी सत्य रूपिणी स्वाहा ।

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं श्री माहेश्वरी पराशक्ति स्वाहा ।

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं श्री लक्ष्मी मनोरमायोनि स्वाहा ।

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं श्री दुर्गा सच्चिदानंद स्वाहा।